

22.7.23

उत्तराखण्ड 387 उत्तराखण्ड पक्ष के  
विद्वान अधिवक्ता को  
सुना तथा दारिद्र्य (लाभों)  
का अवलोकन किया। उत्तराखण्ड  
पक्ष के द्वारा प्रस्तावित भूमि  
पर अपना दावा - कब्जा  
एवं दावा किया जा रहा  
है। घाना प्रभारी, बिरनी  
एवं अंचल अधिकारी,  
बिरनी के प्रतिवेदन से  
स्पष्ट है कि उत्तराखण्ड पक्षों  
के बीच दावा - कब्जा को  
लेकर विवाद है जिससे  
लोक परिशांति भंग हो  
सकती है। अतः इस बाढ़  
को रा. प्र. सं. की धारा  
145 के अंतर्गत दावा - कब्जा  
निर्धारण हेतु परिवर्तित  
करना है तथा तत्काल प्रभाव  
से रा. प्र. सं. की धारा  
146(1) के तहत जलत कले  
हुये घाना प्रभारी, बिरनी



आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>को रिसिवर बहाल करना है। जलन वॉरंट निर्गत करें तथा उमर पत्तों से दाल-कठ्या के मि-डू पर निरिकत कथन होंगे। दिनांक १०/११/२३ को अभिलेख उपलब्ध दिन हों।</p> <p>२८</p>	